'विद्यार्थी राज्य के विकास को देंगे नई ऊंचाई'

आइआइएम का 13वां फाउंडेशन डे मना, राज्यपाल रमेश बैस हुए शामिल, दीं शुभकामनाएं

जासं, रांची : आइआइएम रांची का 13वां स्थापना दिवस बुधवार को मनाया गया। पुंदाग स्थित आइआइएम रांची के नए कैंपस में इस अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि आइआइएम के छात्र अपनी दक्षता से प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर झारखंड की विकास यात्रा को नई ऊंचाई देंगे। वे रोजगार प्रदान करने की भूमिका में राज्य के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे उच्च कोटि के संस्थान का होना राज्य के लिए गौरव की बात होती है। आइआइएम रांची देश के बेहतरीन प्रबंधन संस्थानों में से एक है। संस्थान की ओर से आदिवासी समुदाय की बेहतरी के लिए भी प्रयास किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि हम केवल स्किल्ड मैनेजर ही विकसित नहीं कर रहे, बल्कि फ्यूचर लीडर बना रहे हैं। मौके पर राज्यपाल को मोमेंटो दिया गया। इस अवसर पर रेखी सेंटर फॉर एक्सीलेंस फॉर द साइंस ऑफ हैप्पीनेस का भी उद्घाटन किया गया।

छात्रा को प्रमाण पत्र देते राज्यपाल रमेश बैस ● जागरण

संस्थान के पहले 10 वर्ष को लेकर एक पुस्तक भी तैयार की गई है।

आइआइएम रांची के निदेशक डा. शैलेंद्र सिंह ने कहा कि आइआइएम रांची 2011 में 77 विद्यार्थियों से शुरू हुआ था। तब एक ही सिंगल एमबीए कोर्स था। अब सात कोर्स चल रह हैं, एक हजार से अधिक विद्यार्थी हैं। पहले केवल दो फैकल्टी थी, अब 55 हैं। शैलेंद्र सिंह ने कहा कि उन्नत भारत अभियान के साथ आइआइएम रांची जुड़ा है जिसके तहत यहां के छात्र पिछड़े वर्गों की दशा-दिशा सुधारने में लगे हैं। आइआइएम रांची ने बिरसा मुंडा ट्राइबल अफेयर्स सेंटर की स्थापना की है जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देना है।

60.4 एकड़ में फैला है पुंदाग स्थित आइआइएम रांची का भवन

आइआइएम रांची का पुंदाग स्थित परिसर काफी बड़ा है। यह 60.4 एकड़ में फैला है। जिसमें 13-14 बिल्डिंग हैं। मुख्य प्रशासनिक भवन, एकेडमिक बिल्डिंग, आडिटोरियम, अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर आफ एक्सीलेंस, बिरसा मुंडा ट्राइबल अफेयर्स सेंटर, लाइब्रेरी भवन आदि हैं। दो हॉस्टल बनकर तैयार हैं। इनमें 600 से अधिक छात्र रह सकेंगे। छात्राओं के लिए अलग हॉस्टल होगा।

पुस्तकालय का भी किया गया उद्घाटन

13वें फाउंडेशन दिवस पर पुस्तकालय का भी उद्घाटन किया गया। आठ हजार वर्ग मीटर में यह फैला है। यहां एक बार में 1500 विद्यार्थी पढ़ सकेंगे। लाइब्रेरी डिजिटल मोड में भी उपलब्ध रहेगी। तीन लाख से अधिक पुस्तकें लाइब्रेरी में हैं।

Dainik Jagran, 16.12.2021, Pg. 02